

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 953

बुधवार, 8 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र तटीय भेद्यता

†953.

श्री जी.एम.सिद्देश्वर:

श्रीमती प्रतिमा मण्डल:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या समुद्री कटाव, चक्रवातों, बाढ़ आदि के कारण समुद्र तटीय भेद्यता एक वास्तविकता है जो तट क्षेत्र के पास रहने वाले समुदायों, विशेषकर मछुआरों के जीवन के लिए बड़ा खतरा बन गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने नई समुद्र-कटाव रोधी तकनीकों को लागू करके खतरनाक स्थिति को रोकने के लिए कदम उठाए हैं;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश की संपूर्ण समुद्री तटरेखा के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए क्या नए उपाय किए गए हैं, और
- (घ) क्या निवारक उपायों को कार्यान्वित करते समय हितधारकों को विश्वास में लिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) के माध्यम से समुद्र के कटाव का आकलन किया है और समुद्री कटाव से प्रभावित तटीय क्षेत्रों की पहचान की है। 69 जिलों के मानचित्रों और 9 राज्य और 2 संघ राज्य क्षेत्रों के मानचित्रों के साथ 1:25000 पैमाने में तटीय कटाव के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान के लिए पूरे भारतीय मुख्य भूमि तट के लिए 526 मानचित्र तैयार किए गए थे। जुलाई 2018 में "भारतीय तट के समानांतर तटरेखा परिवर्तन का राष्ट्रीय आकलन" पर एक रिपोर्ट जारी की गई थी और रिपोर्ट को तटरेखा सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों और हितधारकों के साथ साझा किया गया था। रिपोर्ट के डिजिटल संस्करण के साथ एटलस का एक अद्यतन संस्करण, जिसमें सभी मानचित्र शामिल हैं, 25 मार्च 2022 को जारी किया गया था। इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने तटरेखा परिवर्तन दर, समुद्र-स्तर परिवर्तन दर, तटीय उठान, तटीय ढलान, तटीय भू-आकृति विज्ञान, महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई और ज्वारीय सीमा जैसे 7 मापदंडों का उपयोग करके 1:100000 पैमाने पर भारत की संपूर्ण तटरेखा के लिए तटीय भेद्यता सूचकांक (CVI) मानचित्र तैयार किया है। अत्यधिक जल स्तर, तटीय क्षरण, समुद्र-स्तर परिवर्तन और उच्च-विभेदन स्थलाकृति पर डेटा का उपयोग करके 1:25000 पैमाने पर भारत की मुख्य भूमि के लिए तटीय बाढ़ के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए बहु-जोखिम भेद्यता मानचित्रण पर आगे के अध्ययन किए गए हैं।

(ख) और (ग) जी हाँ। मंत्रालय ने केरल में पांडिचेरी और चेलानम में नवाचारी तटीय कटाव शमन उपायों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया था, जिससे तटीय क्षेत्रों और पांडिचेरी में नष्ट हो चुके समुद्र तट की बहाली और संरक्षण में मदद मिली। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, तटीय राज्यों तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल, आंध्र प्रदेश, संघ शासित राज्य लक्षद्वीप और गोवा को संवेदनशील हिस्सों पर तटीय सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन और तटरेखा प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

(घ) जी, हाँ। निवारक उपायों को लागू करते समय मछुआरों और स्थानीय प्रशासन/सरकारी निकायों जैसे तटीय हितधारकों को विश्वास में लिया गया था।
